भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3971
(जिसका उत्तर सोमवार, दिनांक 18 अगस्त, 2025/27 श्रावण, 1947(शक) को दिया जाना है)

सरकार की उधारी और ऋण प्रबंधन

3971. सुश्री सयानी घोषः
क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-14 से आंतरिक और बाह्य स्रोतों सहित वर्ष-वार लिए गए उधार की कुल राशि कितनी है;

(ख) वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित सकल और निवल बाजार उधारी कितनी है;

(ग) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं कि लिया गया उधार स्थायी सीमा के भीतर रहे और निजी निवेश में बाधा न आए; और

(घ) उक्त अवधि के लिए राजस्व प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज के भुगतान की कुल देयता कितनी है और वर्ष 2025-26 में इसका अनुमानित रुझान क्या है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): वित्त वर्ष 2013-14 से सरकार द्वारा लिए गए उधार की वर्षवार कुल राशि का ब्यौरा तालिका-1 में दिया गया है।

तालिका 1: केंद्र सरकार द्वारा लिया गया उधार (लाख करोड़ रुपये में)			
वित्त वर्ष	आंतरिक स्रोत	बाह्य स्रोत	कुल उधार
2013-14	4.96	0.07	5.03
2014-15	4.98	0.13	5.11
2015-16	5.20	0.13	5.33
2016-17	5.18	0.18	5.36
2017-18	5.83	0.08	5.91
2018-19	6.44	0.06	6.49
2019-20	9.25	0.09	9.34
2020-21	17.48	0.70	18.18
2021-22	15.48	0.36	15.85
2022-23	17.01	0.37	17.38
2023-24	16.00	0.55	16.55
2024-25 (पीए)	15.30	0.47	15.77
2025-26 (बीई)	15.45	0.23	15.69

(ख): वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित सकल और शुद्ध बाजार उधार क्रमशः ₹14,82,000 करोड़ और ₹11,53,833.94 करोड़ है।

(ग): वित्त वर्ष 2024-25 के बजट भाषण (नियमित) और वित्त वर्ष 2025-26 के बजट भाषण में, सरकार ने एक नए ऋण समेकन पथ की घोषणा की। तदनुसार, सरकार का लक्ष्य प्रत्येक वर्ष राजकोषीय घाटे को इस प्रकार बनाए रखना है कि केंद्र सरकार का ऋण 31 मार्च, 2031 तक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 50±1 प्रतिशत के स्तर तक पहुँचने के लिए घटता रहे।

(घ): वित्त वर्ष 2013-14 से राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में कुल ब्याज भुगतान देयता इस प्रकार है:

वित्त वर्ष	राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में ब्याज भुगतान
2013-14	36.88
2014-15	36.54
2015-16	36.96
2016-17	34.98
2017-18	36.85
2018-19	37.52
2019-20	36.34
2020-21	41.61
2021-22	37.12
2022-23	38.96
2023-24	38.98
2024-25 (पी)	36.76
2025-26 (बीई)	37.32

*****